भारती पहल

चर्चा में क्यों?

कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA) ने **भारती (BHARATI)** पहल शुरू की है, जो **कृषि-तकनीक और कृषि-खाद्य** स्टार्टअप्स को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य और दृष्टिकोण:**
  - **भारती (BHARATI)**, जो भारत के कृषि प्रौद्योगिकी, लचीलापन, उन्नति और निर्यात सक्षमता के लिये **इनक्यूबेशन केंद्र** का संक्षिप्त रूप है, का उद्देश्य **कृषि-खाद्य** तथा **कृषि-तकनीक** क्षेत्रों के 100 स्टार्टअप्स को सशक्त बनाना है।
  - इस पहल का उद्देश्य **नवाचार में तेज़ी लाना** और नए निर्यात अवसर सृजित करना है, जिससे **वर्ष 2030** तक अनुसूचित उत्पादों के लिये **कृषि-खाद्य निर्यात** को 50 बिलियन डॉलर तक पहुँचाने के भारत के लक्ष्य का समर्थन मिलेगा।
- **प्रथम पायलट समूह:**
  - पहला समूह, जो **सितंबर 2025** में शुरू होगा, 100 स्टार्टअप्स पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिनमें उच्च मूल्य वाले **कृषि-खाद्य उत्पादकों** से लेकर **प्रौद्योगिकी-संचालित सेवा प्रदाता** और **नवप्रवर्तक** शामिल होंगे।
  - **एआई-आधारित गुणवत्ता नियंत्रण, ब्लॉकचेन ट्रेसेबिलिटी**, IoT-सक्षम कोल्ड चेन और **एग्री-फिनटेक** जैसी उन्नत तकनीकों पर काम करने वाले स्टार्टअप्स शामिल किये जाएंगे।
- **नवाचार के लिये प्रमुख क्षेत्र:**
  - **भारती** पहल उच्च मूल्य वाले कृषि-खाद्य श्रेणियों जैसे GI-टैग उत्पाद, जैविक खाद्य पदार्थ, **सुपरफूड, नवीन प्रसंस्कृत कृषि-खाद्य पदार्थ, पशुधन उत्पाद** और **आयुष उत्पादों** को लक्षित करेगी।
  - यह पहल **पैकेजिंग, स्थिरता** और **समुद्री खाद्य प्रोटोकॉल** को संबोधित करने वाले अभिनव समाधानों को भी प्रोत्साहित करेगी।
- **निर्यात संबंधी चुनौतियों का समाधान:**
  - यह पहल **उत्पाद विकास, गुणवत्ता आश्वासन**, शीघ्र नष्ट होने वाले उत्पादों, **अपव्यय** और **रसद** से संबंधित प्रमुख निर्यात चुनौतियों के समाधान पर ध्यान केंद्रित करेगी।
  - सहयोगात्मक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देकर यह **वैश्विक कृषि-खाद्य बाज़ार** में भारत की प्रतिस्पर्द्धात्मकता बढ़ाने के लिये **लागत प्रभावी समाधान** प्रदान करेगी।
- **सहयोगात्मक पारिस्थितिकी तंत्र और साझेदारी:**
  - यह पहल **राज्य कृषि बोर्डों, कृषि विश्वविद्यालयों, IIT** और **NIT** जैसे प्रमुख संस्थानों तथा उद्योग निकायों के साथ मिलकर स्टार्टअप्स को आकर्षित करने एवं समर्थन देने के लिये काम करेगी।
  - पारिस्थितिकी तंत्र को मज़बूत करने के लिये **मौजूदा त्वरणक** (Existing **accelerators)** का भी लाभ उठाया जाएगा।
- **स्टार्टअप्स को समर्थन:**
  - एक राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान **हितधारकों** को शामिल करेगा और **समाधान-उन्मुख स्टार्टअप्स** को आकर्षित करेगा।
  - स्टार्टअप्स को तीन महीने के **त्वरण कार्यक्रम** से गुजरना होगा, जिसमें **उत्पाद विकास, निर्यात तत्परता, विनियामक अनुपालन** और **बाज़ार पहुँच** पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
- **सरकारी पहलों के साथ संरेखण:**
  - यह पहल भारत सरकार की आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल, डिजिटल इंडिया और स्टार्ट-अप इंडिया पहलों के साथ संरेखित है।

APEDA की स्थापना APEDA अधिनियम, 1985 के तहत की गई थी और इसे **अल्कोहलिक** तथा **गैर-अल्कोहलिक पेय पदार्थ, मांस एवं मांस उत्पाद, पुष्पकृषि उत्पाद** आदि जैसे उत्पादों के **निर्यात संवर्द्धन व विकास** की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bharati-initiative